





e-mail : prabhatmantraranchi@gmail.com

## जनता दरबार में आये फरियादियों से निले उपायुक्त कई मामलों का हुआ ऑन स्पॉट निपटाया



प्रभात मंत्र संचाददाता

**मेदिनीनगर :** जिला दवाखिकारी सह उपायुक्त अंगेन्यूलू देहु ने शुक्रवार को सासाहिक जनता दरबार में जिले के दूर-दराज ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से आये 30 से अधिक फरियादियों की समस्याओं से अवगत हुए उपायुक्त श्री देहु ने संवर्धित विभाग के पदाधिकारियों को उत्तर मामलों के लिए नियादन के निर्देश दिये। इस दौरान कई मामलों के आवेदन संरित करने के लिए नियादन सुनिश्चित करने के लिए दिए। आयोजित जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि संवर्धित मामले, मुक्त विद्युत कनेक्शन, आपूर्ति संवर्धित मामले, आवास व पेशन समेत अन्य मामले आये। कैंसर पीड़ित दो फरियादियों को उपायुक्त ने 50

हजार रुपए की आर्थिक मदद की : जनता दरबार में लेस्टेनर्जं के गेट निवासी जितें कुमार सिंह ने अपने सात वर्षीय पुत्र दिव्यांशु राज जो कि कैंसर पीड़ित बच्चा है उसके लिये आर्थिक मदद की मांग की। उहोंने उपायुक्त को बताया कि बच्चे के इलाज में अब तक 15 लाख से अधिक रुपए खर्च हो गये हैं फिर भी इलाज जारी है साथ ही उहोंने रिस्म में आयुष्मान कार्ड को देने की भी शिकायत की इसपर उपायुक्त ने तत्काल 30

हजार रुपए की आर्थिक मदद की साथ ही स्वास्थ्य के डीपीएम को उत्तर आयुष्मान कार्ड से संवर्धित अड्डन के द्वारा करने हेतु निर्देश दिया। इसी तरह एक अन्य कैंसर पीड़ित बच्चे के उपायुक्त ने 20 हजार रुपए का आर्थिक सहयोग किया। बिजली के काट से अपना पति खो चुके पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश : जनता दरबार में पाठन के ग्राम मेरेल से अधिकता को बुलाकर उत्तर मामले को बुलाकर बताया कि 10 जुलाई 2022 को

33 हजार रुपए का तार पिर जाने के कारण उत्तर पति मिथिलेश राम का देहांत हो गया है उहोंने कहा कि उनके पति के जाने के बाद घर में दूसरा कोई कमाने वाला सदस्य नहीं बचा है उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं जिनका भरण पोषण मुश्किल हो रहा है। अतः उहोंने उपायुक्त से अपने तेवर दर्शन के लिए दौरान लेने से किया गया है। इस प्रकार उहोंने उपायुक्त ने अपने तेवर दर्शन के लिए दौरान लेने की गई कि शान्तिपूर्ण तरीके से ईद त्योहार मनाएं। त्योहार के दौरान अकबाहों पर ध्यान न दें। पुलिस ने पैदल मार्च के दौरान शहर में हास्पिटल चौक, पहाड़ी मोहल्ला, कनीराम

चौक, सभी बाजार होते हुए पुनः थाना पहुंचे। मौके पर उपस्थित एसआई उमेद नारायण सिंह ने कहा कि ईद त्योहार के मौके पर शहर के सभी मस्जिदों में पुलिस बल की तैनाती रहेगी। उहोंने कहा कि ईद के त्योहार को लेकर शहर में सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया गया है। खासकर, असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही है। ईद के त्योहार के लिए शहर और असामाजिक इलाकों के धार्मिक स्थलों के बाहर पुलिस बल के जवानों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। इसके अलावा असामाजिक तत्व पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी।

## 8 क्लास के उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को विद्यालय से दी गई विदाई

प्रभात मंत्र संचाददाता

**केतार (गढ़वा) :** प्रखड के बेलाजर मायर इस्थित खांखड परिलक स्कूल में 8 क्लास के छात्र-छात्राओं को उत्तीर्ण होने पर विदाई समाप्त हो का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्तर विद्यालय के अध्ययनरत कक्ष 5, 6, 7, क्लास के छात्र-छात्राओं शामिल रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक जितेन्द्र कुमार पटेल ने बच्चों को परीक्षा की तैयारी कैसे की जाए तथा आप कैरियर का चुनाव के बारे में अवधारणा टिप्प दिए। उहोंने विद्यार्थियों के साथ बताया कि प्रधानाध्यापक जितेन्द्र कुमार पटेल ने बच्चों को परीक्षा की तैयारी कैसे की जाए तथा आप कैरियर का चुनाव के बारे में अवधारणा टिप्प दिए। उहोंने विद्यार्थियों के साथ अपने अध्यापकों के बारे में बताया कि आप सभी छात्र-छात्राएं हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर



शिवकरण साह ने उत्तर छात्र छात्राओं को उत्तर जारी करने के लिए उपलब्ध क्षेत्र के प्रधानाध्यापक जितेन्द्र कुमार पटेल ने बच्चों को परीक्षा की तैयारी कैसे की जाए तथा आप कैरियर का चुनाव के बारे में अवधारणा टिप्प दिए। उहोंने विद्यार्थियों के साथ अपने अध्यापकों के बारे में बताया कि आप सभी छात्र-छात्राएं हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्धांतों से दूर कभी नहीं होंगे। इसलिए आप अपने को निखारे हम हमें आप के लिए उपलब्ध रहेंगे। वही विद्यालय के डायरेक्टर

निशुल्क शिक्षा देने का कार्य करना। अत में कापी तथा कलम देकर छात्र-छात्राओं को विदाई किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साथ अपनी अपराध और निहायत ही गरीब हो जाए तो उपायुक्त ने बच्चों का पढ़ाई का खर्च नहीं उठा पारह है वह महाविद्यालय आकर हमसे तो दूर हो रहे हैं परंतु हमारे सिद्ध



**राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का आयोजन खलारी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में किया गया**

**खलारी(प्रभात मत्र स्वाददाता):** खलारी प्रखण्ड के विभिन्न पचायतों में राशीय पचायतों राज दिवस का आयोजन किया गया। राशीय पचायतों राज दिवस प्रत्येक वर्ष इस वर्ष भी मनाया जा रहा है। प्रखण्ड के 14 पचायत ग्राम में 21 अप्रैल तक से लेकर 24 अप्रैल तक मन राशीय पचायतों राज दिवस मनाया जायेगा। इस संबंध में खलारी प्रखण्ड से जारी आदेश के अनुसार लोकतंत्र की स्थापना करने के लिये 73वें सर्विधान संस्थान अधिनियम, 1992 के माध्यम से पंचायती राज संस्थान को संवैधानिक स्थिति प्रदान की गई और उन्हें देश में ग्रामीण विकास का कार्य सौना गया। स्थानीय स्वशासन का अर्थ है स्थानीय लोगों द्वारा निर्वाचित निकायों द्वारा स्थानीय मामलों का प्रबंधन है। राशीय पचायतों राज दिवस भारत में पंचायती राज प्रणाली का राशीय दिवस है जिसे पंचायती राज मंत्रालय द्वारा 24 अप्रैल को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में स्थानीय सत्र पर सम्मुदायिक रूप में किये गए कारोंकों को उत्सव, त्यौहार एवं समान के रूप में मना, स्थानीय सत्र विकास को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक दिन के कार्यक्रम का आयोजन, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्झों, विकलांग, अति गरीब, एवं अन्य कमज़ोर वर्गों की भागीदारी को सुनिश्चित करना।

समाहरणालय, लातेहार (भू-अर्जन शाखा) प्रपत्र VII, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अर्जन निवेशालय), या, समाहर्ता या समुचित सरकार											
अधिघोषणा											
(अधिनियम-30/2013 की धारा-19(1) के अधीन)											
संख्या-153 / भू. 00										दिनांक-20.04.2023	
चूंकि झारखण्ड सरकार / समाहर्ता को यह प्रतीत होता है कि ग्राम-बालूमाथ थाना-बालूमाथ थाना संख्या-71 अंचल-बालूमाथ जिला-लातेहार में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना-बालूमाथ (NH-99 पर) पथ भाया, बालू. लुटी, आरागुण्डी एवं मुरुप लिंग पथ (लम्बाई-36.97 किमी) (0) तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजुबूतीकरण का कार्य अपेक्षित है।											
अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम-बालूमाथ थाना-बालूमाथ थाना संख्या-71 अंचल-बालूमाथ जिला-लातेहार में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश-1.455 एकड़ मानक माप का भूखंड, अधिघोषणा किया जाता है। जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है। (हाल सर्वे के अनुसार)											
क्र. सं	ग्राम का नाम	खाता सं	प्लॉट सं	भूमि का स्थानिक स्थानिक प्रकार	भूमि का अधीन द्वेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं.) उ.र.प.प.प.	दिनांक	दिनांक	उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश-1.455 एकड़ मानक माप का भूखंड, अधिघोषणा किया जाता है। जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है। (हाल सर्वे के अनुसार)	
क्र. सं	ग्राम का नाम	खाता सं	प्लॉट सं	भूमि का स्थानिक स्थानिक प्रकार	भूमि का अधीन द्वेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं.) उ.र.प.प.प.	दिनांक	दिनांक	उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश-1.455 एकड़ मानक माप का भूखंड, अधिघोषणा किया जाता है। जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है। (हाल सर्वे के अनुसार)	
1	बालूमाथ	235	2110	रेयती	मकान सहन	0.021	अगुव मिया, पिता- स्व० एकराम मिया वो अनवर मिया, पिता- सूझीहीन मिया, वो जाजात	उ०-रास्ता द०-निज पु०-रास्ता प०-2109	20.04.2023	20.04.2023	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2109
2	बालूमाथ	449	2109	रेयती	मकान	0.008	शांति देवी पति विजय कुमार सिंह	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107
3	बालूमाथ	449	2101/1	रेयती	मकान	0.010	महेश साव पिता स्व० जगदीश साहु	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107
4	बालूमाथ	449	2101/2	रेयती	मकान	0.006	राजेन्द्र प्रसाद	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107
5	बालूमाथ	449	2101/3	रेयती	मकान	0.005	संतोष कुमार	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107
6	बालूमाथ	449	2101/4	रेयती	मकान	0.004	दिलेश्वर साहु	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2110 प०-2107
7	बालूमाथ	19	2107	रेयती	मकान सहन	0.007	सरयु दयाल पाण्डेय, पिता- स्व० आदित्य पाण्डेय, निवासी- निजग्राम	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2109 प०-2105			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2109 प०-2105
8	बालूमाथ	427	2104	रेयती	मकान सहन	0.017	राजेष सिंह पिता शंभु शरण सिंह	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2105 प०-2102			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2105 प०-2102
9	बालूमाथ	330	2102	रेयती	मकान सहन	0.011	अशोक लाल पिता- शीमदास, निवासी- निजग्राम	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2104 प०-2100			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2104 प०-2100
10	बालूमाथ	385	2098	रेयती	मकान सहन	0.003	तुलसी साव पिता रिक्षा साव	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2101 प०-2037			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2101 प०-2037
11	बालूमाथ	32	2096	रेयती	मकान सहन	0.029	शमीन अहमद पिता स्व० इस्माईल अहमद	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2097 प०-2091			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2097 प०-2091
12	बालूमाथ	175	2057	रेयती	मकान सहन	0.005	आकिब वो जाबेद पिता मरहम वो अलीम	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2058 प०-2056			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2058 प०-2056
13	बालूमाथ	175	2056/1	रेयती	टाङ दो	0.002	अजहर आलम पिता इजाफार हक	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055
14	बालूमाथ	175	2056/2	रेयती	टाङ दो	0.002	मो० अनवर अंसारी पिता जुमराती मिया	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055
15	बालूमाथ	175	2056/3	रेयती	टाङ दो	0.002	फिरदौस कुरैसी पिता स्व० अद्वल हफीज कुरैसी	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055
16	बालूमाथ	175	2056/4	रेयती	टाङ दो	0.002	मो० मुनताज पिता सहिमुद्दीन	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055
17	बालूमाथ	175	2056/5	रेयती	टाङ दो	0.002	आगा खाँ	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2057 प०-2055
18	बालूमाथ	6	2055	रेयती	टाङ दो	0.012	मो० सफीक कुरैसी वो रफीक वो साजिद वो तीकिक वो कफिल वल्द मरहम अब्बास कुरैसी	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2056 प०-2051			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2056 प०-2051
19	बालूमाथ	5	2048/1	रेयती	मकान सहन	0.015	हाजी अद्वला, पिता- मरहम बली मोहमद	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2050 प०-2057			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2050 प०-2057
20	बालूमाथ	5	2048/2	रेयती	मकान सहन	0.018	आदिल पिता मरहम युनुस	उ०-रास्ता द०-निज पु०-2050 प०-2057			उ०-रास्ता द०-निज पु०-2050 प०-2057
21	बालूमाथ	465	1359/1	रेयती	टाङ दो	0.064	हाजी अद्वला, पिता- स्व० बली मोहमद	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1358			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1358
22	बालूमाथ	465	1359/2	रेयती	टाङ दो	0.030	मो० सगीर आलम वो मो० सोहेल अखर पिता मो० मरहम अम्युब	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1358			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1358
23	बालूमाथ	40	1358/1	रेयती	धान दो	0.004	हाजी अद्वला पिता मरहम बली मोहमद	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357
24	बालूमाथ	40	1358/2	रेयती	धान दो	0.009	सबनम बेगम पति मो० इस्लाम	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357
25	बालूमाथ	40	1358/3	रेयती	धान दो	0.015	मोतीर्झामान पिता मरहम गुलाम रब्बानी वरैरह	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357
26	बालूमाथ	40	1358/4	रेयती	धान दो	0.011	जमीलुर रहमान	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357
27	बालूमाथ	40	1358/5	रेयती	धान दो	0.010	मो० साजीद पिता मरहम असरक अंदी	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1359 प०-1357
28	बालूमाथ	6	1357	रेयती	धान दो	0.012	मो० सफीक कुरैसी वो रफीक वो साजिद वो तीकिक वो कफिल कुरैसी वो लखन वर्द मरहम अब्बास कुरैसी	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1358 प०-1354			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1358 प०-1354
29	बालूमाथ	542	1354/1	रेयती	धान दो	0.004	जुसिमुद्दीन, पिता- मो० नुर मिया	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1357 प०-1353			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1357 प०-1353
30	बालूमाथ	542	1354/2	रेयती	धान दो	0.004	हलीम सीदागर	उ०-रास्ता द०-निज पु०-1357 प०-1353			उ०-रास्ता द०-निज पु०-1357 प०-1353
31	बालूमाथ										

उपायुक्त, लातेहार ६०७-  
forms(23-24)#D





## संपादकीय

### जगसंख्या वृद्धि की चुनौती

**जनसंख्या** के मामले में चीन को पूछे छोड़कर भारत पहले पायदान पर आ गया है। अर्थात् भारत विश्व में अब सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड की रिपोर्ट में समाने आया है कि भारत में अब चीन के मुकाबले लगभग 30 लाख ज्यादा लोग हैं। अंकड़ों के अनुसार, भारत की जनसंख्या 142 करोड़ 57 लाख ही है। वहीं चीन की जनसंख्या 142 करोड़ 57 लाख ही है। उल्लेखनीय है कि वर्ष की शुरूआत में ही वैश्विक विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया था कि 2023 में भारत सबसे जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड के अंकड़ों के अनुसार एक वर्ष में भारत की जनसंख्या 1.56 प्रतिशत बढ़ी है। अब इसे उपलब्धि के तौर पर देखा जाए या चुनौती के रूप में, यह विचारणीय प्रश्न है। कुछ लोग मानते हैं कि जनसंख्या को चुनौती के रूप में नहीं देखना चाहिए, जनसंख्या तो किसी भी देश को ताकत ही नहीं है। परंतु इसके दूसरे पहलू पर विचार करें, तो सीमित संसाधनों के कारण अत्यधिक जनसंख्या चुनौती बन जाती है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या को संभाल कठिन कार्य है। बड़ी जनसंख्या को बुनियादी सुविधाएं (भोजन, रोजगार और आवास) उपलब्ध कराना किसी भी व्यवस्था के लिए मुश्किल कार्य हो सकता है भारत जैसे देश में यह चुनौती और विठ्ठल इसके दूसरे सकति है क्योंकि यहीं राजनीतिज्ञों के दिमाग में सिर्फ बोटवैक होती है। थोक में बोट आपने के लिए राजनीतिक दल ऐसी घोषणाएं करते हैं, जिनसे बड़ी जनसंख्या देश की ताकत बनने की जगह उस पर बोल बनने लगती है। यदि राजनीतिक दल अपने स्वार्थों को छोड़ देते तब बड़ी जनसंख्या को रचनात्मक दशा देकर उसे ताकत बनाया जा सकता है। उल्लेख करना प्रारंभिक होगा कि विश्व में सबसे अधिक युवा जनसंख्या भारत में है। इसलिए ही दुनियाभर के विशेषज्ञ इस सदी को भारत की सदी मानकर चल रहे हैं क्योंकि भारत के पास सर्वाधिक रचनात्मक एवं सूजनात्मक और ऊर्जा से भरी हुआ युवा कार्यबल है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 14 वर्ष तक की उम्र वालों की है। वहाँ, 10-19 वर्ष तक के 18 प्रतिशत लोग हैं। 10-24 वर्ष तक के लोगों की संख्या 26 प्रतिशत है, तो 15-64 वर्ष के बीच लगभग 68 प्रतिशत लोग हैं। यह जो सर्वाधिक युवाओं की जनसंख्या है, यहीं भारत के पक्ष को थोड़ा आशानकृत बनाती है। चीन सहित यूरोप के अनेक देशों में बूढ़े लोगों की संख्या अधिक है, जो उनके लिए चिंता जनक है। यदि हो, इसी कारण चीन ने जनसंख्या से संबंधित अपनी कठोर नीति से परिवर्तन किया। पहले वहाँ एक ही संतान पैदा करने का नियम था। बहराहल, विश्वपटल पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं परंतु जैसे देश के संदर्भ में सभी पहलुओं को अन्य में विलय समझीते पर हस्ताक्षर कर दिए थे। विभाजन की इस त्रादीसी के समय भी पाकिस्तानी सेना ने कबाईलियों के साथ मिलकर जम्मू कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर इसके बहुत बड़े भू भाग पर कब्जा कर लिया था। इस आक्रमण का भारतीय सेना के अपनी जाति के लिए अंतर्राष्ट्रीय अवश्यकता है। इस उल्लेख और इतिहास के अन्य व्यवस्था के लिए मुश्किल कार्य हो सकता है।

यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड की रिपोर्ट में समाने आया है कि भारत में अब चीन के मुकाबले लगभग 30 लाख ज्यादा लोग हैं। अंकड़ों के अनुसार, भारत की जनसंख्या 142 करोड़ 57 लाख ही है। उल्लेखनीय है कि वर्ष की शुरूआत में ही वैश्विक विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया था कि 2023 में भारत सबसे जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड के अनुसार एक वर्ष में भारत की जनसंख्या 1.56 प्रतिशत बढ़ी है। अब इसे उपलब्धि के तौर पर देखा जाए या चुनौती के रूप में, यह सिख आवादी के वर्गों के बीच सदाचार विद्युत और समर्थन पैदा करना जारी रखता है, खासकर कनाडा, ब्रिटेन, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सिख डायरस्पोरा में। हाल के दिनों में पंजाब में खालिस्तान अलगावादी अंदोलन के विचार का प्रचार कर रहे सिख उग्रवाले जैसे देशों में सिख डायरस्पोरा में। हाल के दिनों में पंजाब में खालिस्तान अलगावादी अंदोलन के विचार का प्रचार कर रहे सिख उग्रवाले का अनुयायी अमुतलाल सिंह भागने से सफल होता है। खालिस्तान अंदोलन की विचार का विवाद करने से रोक सकती है, इस प्रकार इनकी अर्थव्यवस्था और बिंगड़ी जा रही है और सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में प्रभाव फैल रहा है। हालांकि, इसने प्रवासी भारतीयों में एक बड़े दर्शकों का ध्यान आकारित किया है जो अब लंबे समय तक अन्य देशों में बस रहे हैं और इस तरह वार्ता के अन्य संबंध खो जाते हैं। जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा का उल्लंघन करता है, इस प्रकार पाकिस्तान और अन्य देशों में अलगावादीयों द्वारा इसका दुरुपयोग किया जाता है। द्विष्टीक्ष्य संबंधों को खालिस्तान मुद्दे ने पहले ही भारत-कनाडा संबंधों को नुकसान पहुंचाया है और भारत सरकार की आपत्ति के बावजूद इन देशों में अपना संबंध खो जाते हैं। जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा का उल्लंघन करता है, इस प्रकार खालिस्तान आंदोलन को कुचल दिया गया था। जबकि ऑपरेशन अपने उद्देश्य में स्पष्ट रूप से सफल रहे, उन्होंने दुनिया भर के सिख समुदाय को गंभीर महिंदर से उग्रवालियों को बाहर निकालने और बिंगड़ावाले को बेतर सरकार के लिए खो जाए गई है। पंजाब प्रांत, जो भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित था, ने सांप्रदायिक हिंसा देखी और लाखों शरणार्थियों को जन्म दिया। ऐतिहासिक सिख आवादी की राजधानी, लाहौर, साथ ही गुरु नानक की जन्मस्थली ननकाना साहिब जैसे पवित्र सिख स्थल पाकिस्तान में रहते हैं। पंजाब के अधिकांश रेखाओं के साथ विभाजन के लिए खोजी गई है। पंजाब प्रांत, जो भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित था, ने सांप्रदायिक हिंसा देखी और लाखों शरणार्थियों को जन्म दिया। जैसे देशों में सिख डायरस्पोरा में। हाल के दिनों में पंजाब में खालिस्तान अलगावादी अंदोलन के विचार का प्रचार कर रहे सिख उग्रवाले जैसे देशों में सिख डायरस्पोरा में। हाल के दिनों में पंजाब में खालिस्तान अलगावादी अंदोलन के विचार का प्रचार कर रहे सिख उग्रवाले का अनुयायी अमुतलाल सिंह भागने से सफल होता है। खालिस्तान अंदोलन के विचार का प्रचार करने से रोक सकती है, इस प्रकार इनकी अर्थव्यवस्था और बिंगड़ी जा रही है और सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में प्रभाव फैल रहा है। हालांकि, इसने प्रवासी भारतीयों में एक बड़े दर्शकों का ध्यान आकारित किया है जो अब लंबे समय तक अन्य देशों में बस रहे हैं और इस तरह वार्ता के अन्य संबंध खो जाते हैं। जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा का उल्लंघन करता है, इस प्रकार पाकिस्तान और अन्य देशों में अलगावादीयों द्वारा इसका दुरुपयोग किया जाता है। द्विष्टीक्ष्य संबंधों को खालिस्तान मुद्दे ने पहले ही भारत-कनाडा संबंधों को नुकसान पहुंचाया है और भारत सरकार की आपत्ति के बावजूद इन देशों में अपना संबंध खो जाते हैं। जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा का उल्लंघन करता है, इस प्रकार पाकिस्तान आंदोलन को कुचल दिया गया था। जबकि ऑपरेशन अपने उद्देश्य में स्पष्ट रूप से सफल रहे, उन्होंने दुनिया भर के सिख समुदाय को गंभीर महिंदर से उग्रवालियों को बाहर निकालने और बिंगड़ावाले को बेतर सरकार के लिए खो जाए गई है। पंजाब प्रांत, जो भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित था, ने सांप्रदायिक हिंसा देखी और लाखों शरणार्थियों को जन्म दिया। जैसे देशों में सिख डायरस्पोरा में। हाल के दिनों में पंजाब में खालिस्तान अलगावादी अंदोलन के विचार का प्रचार कर रहे सिख उग्रवाले जैसे देशों में सिख डायरस्पोरा में। हाल के दिनों में पंजाब में खालिस्तान अलगावादी अंदोलन के विचार का प्रचार करने से रोक सकती है, इस प्रकार इनकी अर्थव्यवस्था और बिंगड़ी जा रही है और सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में प्रभाव फैल रहा है। हालांकि, इसने प्रवासी भारतीयों में एक बड़े दर्शकों का ध्यान आकारित किया है जो अब लंबे समय तक अन्य देशों में बस रहे हैं और इस तरह वार्ता के अन्य संबंध खो जाते हैं। जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा का उल्लंघन करता है, इस प्रकार पाकिस्तान आंदोलन को कुचल दिया गया था। जबकि ऑपरेशन अपने उद्देश्य में स्पष्ट रूप से सफल रहे, उन्होंने दुनिया भर के सिख समुदाय को गंभीर महिंदर से उग्रवालियों को बाहर निकालने और बिंगड़ावाले को बेतर सरकार के लिए खो जाए गई है। पंजाब प्रांत, जो भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित था, ने सांप्रदायिक हिंसा देखी और लाखों शरणार्थियों को जन्म दिया। जैसे देशों में सिख डायरस्पोरा में। हाल के दिनों में पंजाब में खालिस्तान अलगावादी अंदोलन के विचार का प्रचार कर रहे सिख उग्रवाले जैसे देशों में सिख डायरस्पोरा में। हाल के दिनों में पंजाब में खालिस्तान अलगावादी अंदोलन के विचार का प्रचार करने से रोक सकती है, इस प्रकार इनकी अर्थव्यवस्था और बिंगड़ी जा रही है और सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में प्रभाव फैल रहा है। हालांकि, इसने प्रवासी भारतीयों में एक बड़े दर्शकों का ध्यान आकारित किया है जो अब लंबे समय तक अन्य देशों में बस रहे हैं और इस तरह वार्ता के अन्य संबंध खो जाते हैं। जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा का उल्लंघन करता है, इस प्रकार पाकिस्तान आंदोलन को कुचल दिया गया था। जबकि ऑपरेशन अपने उद्देश्य में स्पष्ट रूप से सफल रहे, उन्होंने दुनिया भर के सिख समुदाय को गंभीर महिंदर से उग्रवालियों को बाहर निकालने और बिंगड़ावाले को बेतर सरकार के लिए खो जाए गई है। पंजाब प्रांत, जो भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित था, ने सांप्रदायिक हिंसा देखी और लाखों शरणार्थियों को जन्म दिया। जैसे देशों में सिख डायर











